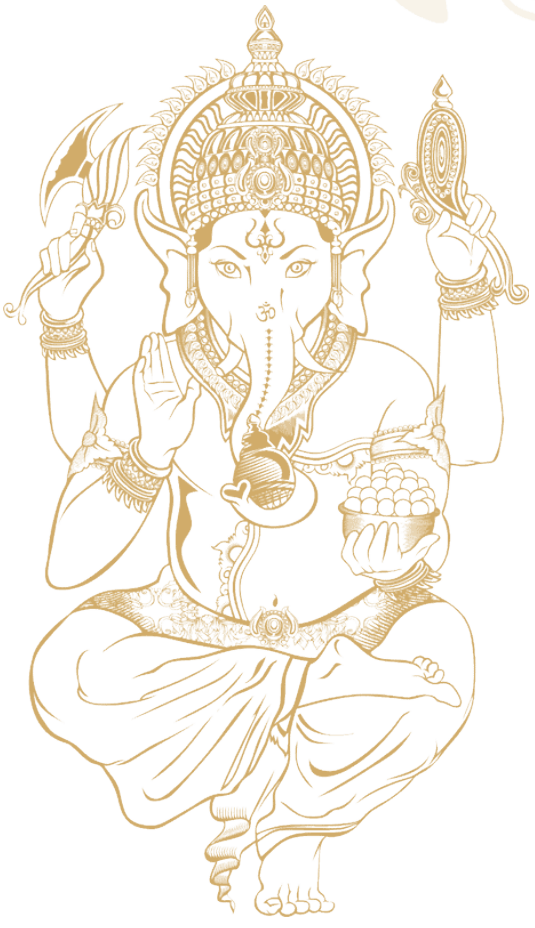

Manish

Sonam

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121552701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121552701 Date: 11/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/12/1975	जन्म तिथि	2-03/08/1990
बुधवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 09:30:00	जन्म समय	00:02:00 घंटे
घटी 06:02:59	जन्म समय(घटी)	45:11:23 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Ujjain
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	23:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:04:48	सूर्योदय	05:57:26
17:46:37	सूर्यास्त	19:08:01
23:31:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:47

मकर	लग्न	मेष
शनि	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
सिंह	राशि	धनु
सूर्य	राशि-स्वामी	गुरु
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	मूल
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	केतु
2	चरण	1
आयुष्मान	योग	वैधृति
वणिज	करण	बव
टा-टाटा	जन्म नामाक्षर	ये-येनी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
वनचर	वश्य	मानव
मूषक	योनि	श्वान
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	आद्य
श्वान	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 11वर्ष 3मा 19दि		13:45:17	मक	लग्न	मेष	20:48:20	केतु 5वर्ष 8मा 20दि	
राहु		08:10:56	धनु	सूर्य	कर्क	16:28:28	चन्द्र	
13/04/2010		19:07:54	सिंह	चंद्र	धनु	02:26:02	23/04/2022	
12/04/2028		26:15:18	वृष व	मंगल	मेष	20:01:40	23/04/2032	
राहु	24/12/2012	22:09:09	धनु	बुध	सिंह	12:12:31	चन्द्र	21/02/2023
गुरु	20/05/2015	21:32:34	मीन	गुरु	कर्क	02:53:50	मंगल	22/09/2023
शनि	26/03/2018	26:30:51	तुला	शुक्र	मिथु	22:42:50	राहु	23/03/2025
बुध	12/10/2020	08:04:47	कर्क व	शनि व	धनु	26:55:23	गुरु	23/07/2026
केतु	31/10/2021	27:28:01	तुला व	राहु	मक	13:34:08	शनि	22/02/2028
शुक्र	30/10/2024	27:28:01	मेष व	केतु	कर्क	13:34:08	बुध	23/07/2029
सूर्य	24/09/2025	12:33:02	तुला	हर्ष व	धनु	12:35:33	केतु	21/02/2030
चन्द्र	26/03/2027	18:43:32	वृश्चि	नेप व	धनु	18:43:59	शुक्र	23/10/2031
मंगल	12/04/2028	18:03:06	कन्या	प्लूटो	तुला	21:15:22	सूर्य	23/04/2032

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:31:31 चित्रपक्षीय अयनांश 23:43:47

लग्न-चलित

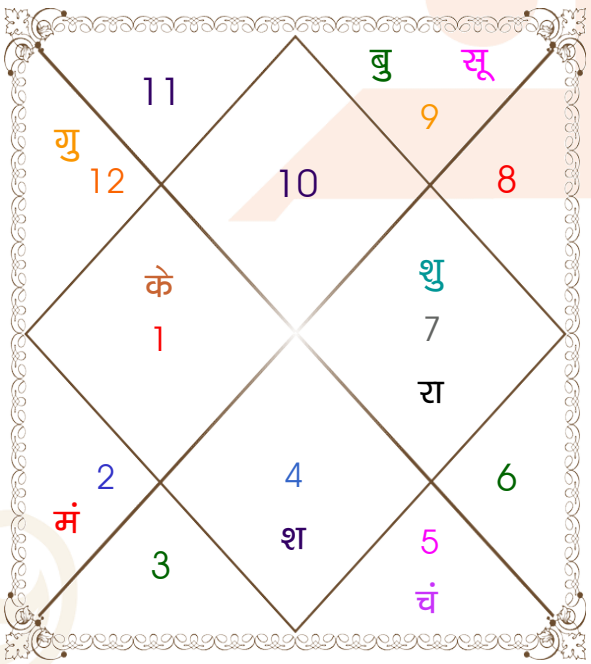

लग्न-चलित

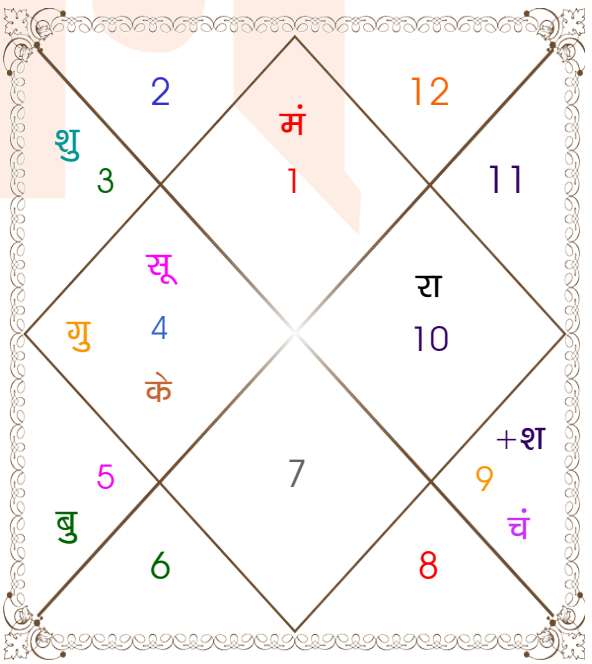

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

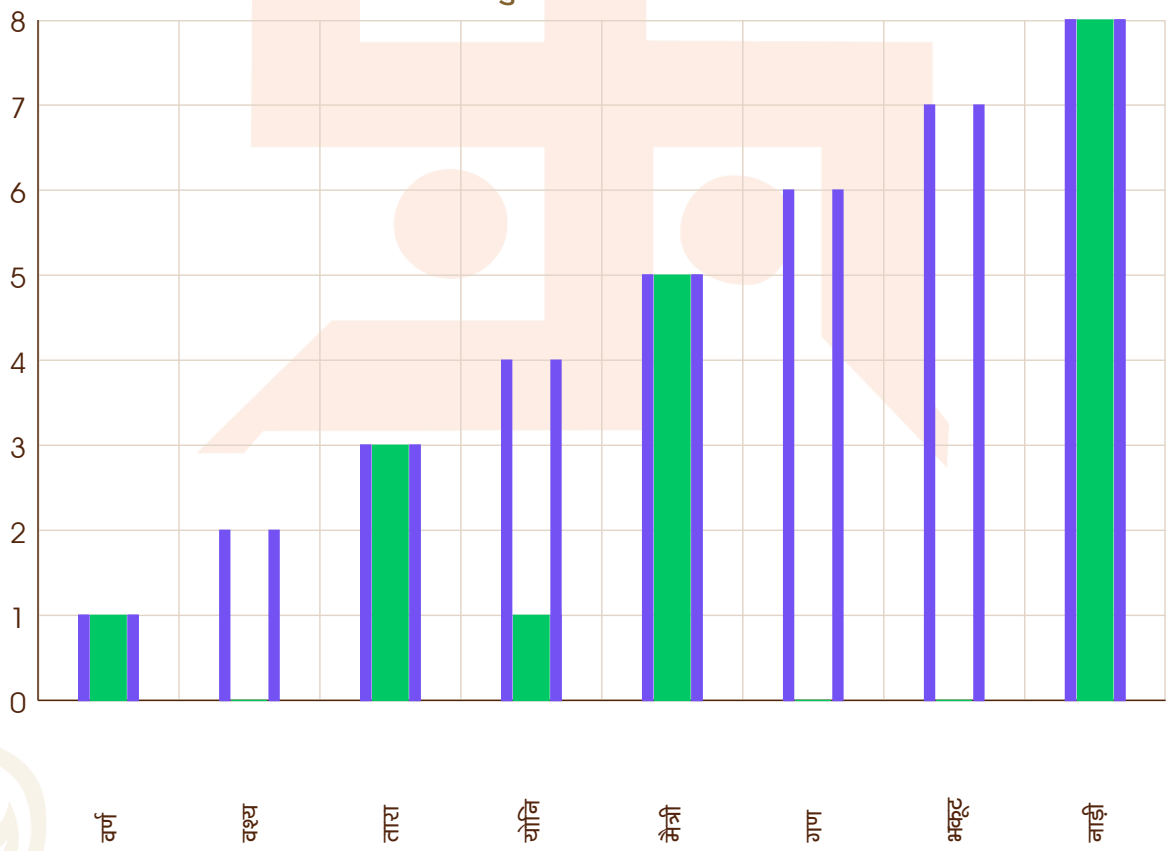

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Manish का वर्ग श्वान है तथा ेवदंउ का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Manish और ेवदंउ का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Manish मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

ेवदंउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ेवदंउ कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ध्;थ्ङम्गंवूदक्मइ;0द्ध्त्र1द्धझ क्योंकि मंगल ेवदंउ कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Manish तथा ेवदंउ में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Manish का वर्ण क्षत्रिय तथा ैवदंउ का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

Manish का वश्य वनचर है एवं ैवदंउ का वश्य द्विपद (मनुष्य) है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता है तथा जब भी मौका मिलता है वनचर मनुष्य पर आक्रमण कर उसे मारकर खा जाता है। इसी प्रकार वैवाहिक संबंधों में भी दोनों एक-दूसरे के लिए शत्रु साबित होंगे। Manish और ैवदंउ के के बीच अक्सर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहेगा। दोनों समय समय पर एक दूसरे का अपमान करते रहेंगे। एक दूसरे की परवाह भी कम ही करेंगे। दोनों अक्सर लड़ाई-झगड़ा, एक-दूसरे पर वार एवं अपमान करते रहेंगे। जिससे परिवार की सुख-शांति भंग हो सकती है। ऐसी स्थिति में संतान भी अति क्रोधी, असामाजिक एवं अमानवीय व्यवहार करने वाले हो सकती है।

तारा

Manish की तारा सम्पत तथा ैवदंउ की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Manish एवं ैवदंउ दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे ैवदंउ एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Manish की योनि मूषक है तथा ैवदंउ की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि

होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Manish एवं वदंउ दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Manish एवं वदंउ के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Manish एवं वदंउ जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Manish का गण मनुष्य तथा वदंउ का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः वदंउ का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Manish एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Manish से वदंउ की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा वदंउ से Manish की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण वदंउ को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Manish की नाड़ी मध्य है तथा वदंउ की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Manish की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा ैवदंउ की राशि भी अग्नि तत्व युक्त धनु है। नैसर्गिक रूप से दोनों के तत्वों में समानता के कारण Manish और ैवदंउ के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी जिससे उनका वैवाहिक जीवन उत्तम रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा रहेगा ।

Manish की राशि का स्वामी सूर्य तथा ैवदंउ की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर मित्र हैं। इसके प्रभाव से Manish और ैवदंउ के मध्य परस्पर संबधों में मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति त्याग समर्पण एवं सहयोग का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही Manish और ैवदंउ एक दूसरे के गुणों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे इनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

Manish और ैवदंउ की राशियां परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इस दोष के प्रभाव से यदा कदा Manish और ैवदंउ के मध्य अनावश्यक मतभेद एवं विरोध का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही अंहकार के भाव की भी प्रधानता रहेगी जिससे आपसी संबधों की में मधुरता में न्यूनता आएगी अतः यदि Manish और ैवदंउ अंहकार की भावना का त्याग करें तथा सामंजस्य पूर्ण स्थिति बनाएं तो इनका वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

Manish का वश्य वनचर एवं ैवदंउ का वश्य मानव है। नैसर्गिक रूप से वनचर एवं मानव में विषमता होती है। अतः इनकी अभिरूचियों में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताएं भी भिन्न होंगी, अतः काम संबधों में एक दूसरे को सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Manish एवं ैवदंउ दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः दोनों पराक्रमी एवं साहसी कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे तथा कार्य क्षमता भी बराबर होगी।

धन

Manish की तारा सम्पत तथा ैवदंउ की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Manish सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा ैवदंउ के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Manish और ैवदंउ को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से ैवदंउ का शुभ

प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Manish की नाड़ी मध्य तथा ैवदंउ की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका कोई दुष्प्रभाव इन पर नहीं पड़ेगा परन्तु मंगल की स्थिति प्रतिकूल रहेगी जिसके प्रभाव से Manish रक्त तथा पित विकार से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबधी परेशानी भी होगी एवं रतिक्रिया संबंधी निष्क्रियता के भाव की भी उत्पत्ति की संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति की संभावना उत्पन्न होगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Manish को हनुमान जी की नियमित पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Manish और ैवदंउ का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Manish और ैवदंउ के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ैवदंउ के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ैवदंउ को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ैवदंउ को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Manish और ैवदंउ सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Manish और ैवदंउ का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ैवदंउ के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत ैवदंउ के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

ैवदंउ अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार वदंउ के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Manish के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Manish अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Manish के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Manish के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।